# TRACI Inter-Church Sunday School Fest 2017

***(On 14 October 2017 at St. Mary's School, Safdarjung Enclave from 8:00 am to 4:00 pm)***

Website: http://icssf.org/ Email: info@icssf.org

## *Theme: "i Connect with Jesus"*

**SYLLABUS - पाठ्यक्रम**

**Age 6-7 years** as on September 30, 2017

(Date of birth from October 1, 2010 to September 30, 2011)

**Topic: Obedience – आज्ञाकारिता**

| शीर्षक | प्रसंग पद | प्रश्नों के प्रकार |
|---|---|---|
| अब्राहम की परीक्षा | उत्पति 22:1-19 | मौखिक |
| नूह का जहाज़ | उत्पति 6 | |
| परमेश्वर के अधिकार के प्रति यीशु मसीह की आज्ञाकारिता | यूहन्ना 4:31-34 | |
| यहोशू | यहोशू 22 | |
| दानिएल की आज्ञाकारिता | दानिएल 6 | |

## याद करने वाले पद (स्मरण पद) - 7

| | | |
|---|---|---|
| 1 | यूहन्ना 14:23 | यीशु ने उसको उत्तर दिया "यदि कोई मुझसे प्रेम रखेगा तो वह मेरे वचन को मानेगा, और मेरा पिता उससे प्रेम रखेगा, और हम उसके पास आएंगे और उसके साथ वास करेंगे। |
| 2 | नीतिवचन 6:20 | हे मेरे पुत्र, मेरी आज्ञा को मान, और अपनी माता की शिक्षा को न तज। |
| 3 | भजन संहिता 119:5 | भला होता कि तेरी विधियों को मानने के लिए मेरा चालचलन द्रिड हो जाए। |
| 4 | याकूब 1:22 | परन्तु वचन पर चलने वाले बनो, और केवल सुनने वाले ही नहीं जो अपने आप को धोका देते है। |
| 5 | नीतिवचन 13:13 | जो वचन को तुच्छ जानता, वह नष्ट हो जाता है, परन्तु आज्ञा के डरवैये को अच्छा फल मिलता है। |
| 6 | नीतिवचन 16:20 | जो वचन पर ध्यान लगाता, वह कल्याण पता है, और जो यहोवा पर भरोसा रखता, वह धन्य होता है। |
| 7 | यूहन्ना 14:15 | "यदि तुम मुझ से प्रेम रखते हो, तो मेरी आज्ञाओं को मानोगे। |

हिंदी में बी.एस.आई. बाईबल का उपयोग करें

**सामान्य सूचना में लिखी जानकारी को अवश्य पढ़ें (Please read the General Information page)**

# TRACI Inter-Church Sunday School Fest 2017

***(On 14 October 2017 at St. Mary's School, Safdarjung Enclave from 8:00 am to 4:00 pm)***

Website: http://icssf.org/ Email: info@icssf.org

***Theme: "i Connect with Jesus"***

**SYLLABUS - पाठ्यक्रम**

**Age 8-9 years** as on September 30, 2017

(Date of birth from October 1, 2008 to September 30, 2009)

## शीर्षक: ईमानदारी/बेईमानी

| शीर्षक | प्रसंग पद | प्रश्नों के प्रकार |
|---|---|---|
| हनन्याह और सफीरा | प्रेरितों के काम 5: 1-11 | सही या गलत |
| नमान और गेहजी | 2 राजा 5: 8-27 | खाली स्थान भरो |
| बूढी सारा और तीन पुरुष | उत्पत्ति 18: 1-15 | विभागों का सही मिलान |
| आकान का पाप | यहोशु 7 : 10-26 | सन्दभे के पद |
| पतरस का इनकार | यूहन्ना 13:36-38, 18:15-18, 25-27 | पद के सन्दर्भ |

## याद करने वाले पद (स्मरण पद) - 10

| | | |
|---|---|---|
| 1 | 1 यूहन्ना 3:18 | हे बालकों, हम वचन और जीब ही से नहीं, पर काम और सत्य के द्वारा भी प्रेम करें। |
| 2 | नीतिवचन 11:3 | सीधे लोग अपनी खराई से अगुवाई पाते हैं, परन्तु विश्वासघाती अपने कपट से नष्ट होते हैं। |
| 3 | नीतिवचन 21:3 | धर्म और न्याय करना, यहोवा को बलिदान से अधिक अच्छा लगता है। |
| 4 | भजन संहिता 112:5 | जो पुरुष अनुग्रह करता और उधार देता है, उसका कल्याण होता है, वह न्याय में अपने मुकंद्दमें को जीतेगा। |
| 5 | मत्ती 5:8 | धन्य है वे, जिन के मन शुद्ध हैं, क्योंकि वे परमेश्वर को देखेंगे। |
| 6 | 1 यूहन्ना 1:6 | यदि हम कहें कि उसके साथ हमारी सहभागिता है और फिर अन्धकार में चलें, तो हम झूठे हैं और सत्य पर नहीं चलते। |
| 7 | यूहन्ना 14:6 | यीशु ने उससे कहा, "मार्ग और सत्य और जीवन मै ही हूँ; बिना मेरे द्वारा कोई पिता के पास नहीं पहुँच सकता। |
| 8 | गलातियों 6:7 | धोखा न खाओ; परमेश्वर ठट्ठों में नहीं उड़ाया जाता, क्योंकि मनुष्य जो कुछ बोता है वही काटेगा। |
| 9 | 1 थिस्सलुनीकियों 5:15 | सावधान! कोई किसी से बुराई के बदले बुराई न करे; पर सदा भलाई करने पर तत्पर रहो, आपस में और सबसे भी भलाई ही की चेष्टा करो। |
| 10 | याकूब 3:18 | मिलाप करने वाले धार्मिकता का फल मेल-मिलाप के साथ बोते हैं। |

हिंदी में बी.एस.आई. बाईबल का उपयोग करें

**सामान्य सूचना में लिखी जानकारी को अवश्य पढ़ें (Please read the General Information page)**

# TRACI Inter-Church Sunday School Fest 2017

***(On 14 October 2017 at St. Mary's School, Safdarjung Enclave from 8:00 am to 4:00 pm)***

Website: http://icssf.org/ Email: info@icssf.org

***Theme: "i Connect with Jesus"***

**SYLLABUS - पाठ्यक्रम**

**Age 10-12 years** as on September 30, 2017

(Date of birth from October 1, 2005 to September 30, 2007)

**Topic: Faith - विश्वास**

| बाईबल खंड | अध्याय | प्रश्नों के प्रकार |
|---|---|---|
| दाऊद और गोलियत | 1 शामूएल 17:20-51 | रिक्त स्थान भरो |
| अब्राहम का अपने पुत्र इसहाक का बलि चढ़ाना | उत्पत्ति 22: 1-14 | सही या गलत |
| धधकती भट्ठे में शद्रक, मेशक और अबेदनगो | दानिय्येल 3:5-27 | किसने किससे कहा |
| सूबेदार के सेवक के रोग को चंगा करना | मत्ती 8:5-13 | सही उत्तर का चुनाव करें |
| कंनानी जाति की स्त्री का विश्वास | मत्ती 15 : 21-28 | |
| दैनिक जीवन के अनुभवों पर आधारित एक प्रशन दिया जायेगा। | | |

## याद करने वाले पद (स्मरण पद) - 7

| | | |
|---|---|---|
| 1 | मत्ती 15 :28 | इस पर यीशु ने उसको उत्तर दिया, "हे स्त्री, तेरा विश्वास बड़ा है। जैसा तू चाहती है, तेरे लिए वैसा ही हो।" और उसकी बेटी उसी घडी से चंगी हो गई। |
| 2 | दानिय्येल 3:17 | हमारा परमेश्वर जिसकी हम उपासना करते है वह हमको उस धधकते हुए भट्ठे की आग से बचाने की शक्ति रखता है; वरन् हे राजा, वह हमें तेरे हाथ सेभी छुडा सकता है। |
| 3 | उत्पत्ति 22:12 | उसने कहा "उस लड़के पर हाथ मत बढ़ा, और न उससे कुछ कर; क्योंकि तू ने जो मुझ से अपने पुत्र, वरन् अपने एकलौते पुत्र को भी नहीं रख छोड़ा; इससे मै अब जान गया कि तू परमेश्वर का भय मानता है।" |
| 4 | मत्ती 8: 8 | सूबेदार ने उत्तर दिया, "हे प्रभु, मैं इस योग्य नहीं कि तू मेरे छत तले आए, परन्तु केवल मुख से कह दे तो मेरा सेवक चंगा हो जायेगा। |
| 5 | 1 शामूएल 17:45 | दाऊद ने पशलश्ती से कहा "तू तो तलवार और भाला और बरछी लिए हुए मेरे पास आता है; परन्तु मै सेनाओ के यहोवा के नाम से तेरे पास आता हूँ, जो इस्राएली सेना का परमेश्वर, है और उसी को तनू ललकारा है। |
| 6 | लुका 8:48 | उसने उससे कहा "बेटी, तेरे विश्वास ने तुझे चंगा किया है, कुशल से चली जा।" |
| 7 | इब्रानियों 11 :1 | अब विश्वास आशा की हुई वस्तुओं का निश्चय, और अनदेखी वस्तुओं का प्रमाण है। |

हिंदी में बी.एस.आई. बाईबल का उपयोग करें

**सामान्य सूचना में लिखी जानकारी को अवश्य पढ़ें (Please read the General Information page)**

# TRACI Inter-Church Sunday School Fest 2017

***(On 14 October 2017 at St. Mary's School, Safdarjung Enclave from 8:00 am to 4:00 pm)***

Website: http://icssf.org/ Email: info@icssf.org

## *Theme: "i Connect with Jesus"*

### SYLLABUS - पाठ्यक्रम

**Age 13-16 years** as on September 30, 2017
(Date of birth from October 1, 2001 to September 30, 2004)

### Topic: समानता (Equality)

| बाईबल खंड | अध्याय | प्रश्नों के प्रकार |
|---|---|---|
| लुका | 14 | रिक्त स्थान भरो |
| यूहन्ना | 13 | सही या गलत |
| प्रेरितों के काम | 10 | किसने किससे कहा |
| रोमिओ | 2-3 | सही उत्तर का चुनाव करें |
| गलतियों | 3 | पद के सन्दर्भ |
| इफिसियों | 5 | |
| कुल्लुसियों | 1 | |
| याकूब | 2 | |
| प्रकाशितवाक्य | 7 | |
| दैनिक जीवन के अनुभवों पर आधारित एक प्रश्न दिया जायेगा। | | |

### याद करने वाले पद (स्मरण पद) - 10

| | | |
|---|---|---|
| 1 | व्यवस्थाविवरण 10:17 | क्योंकि तुम्हारा परमेश्वर यहोवा वही ईश्वरों का परमेश्वर और प्रभुओं का प्रभु है, वह महान पराक्रमी और भय योग्य इश्वर है, जो किसी का पक्ष नहीं करता और न घूस लेता है। |
| 2 | इफिसियों 2:14 | क्योंकि वही हमारा मेल है जिसने दोनों को एक कर लिया और अलग करने वाली दीवार को जो बीच में थी, ढा दिया। |
| 3 | इफिसियों 5:21 | मसीह के भय से एक दसरे के आधीन रहो। |
| 4 | 1 यूहन्ना 2:2 | और वही हमारे पापों का प्रायश्चित है और केवल हमारे ही नहीं, वरन सारे जगत के पापों का भी। |
| 5 | इब्रानियों 12:14 | सब से मेल मिलाप रखो, और उस पवित्रता के खोजी हो जीसके बिना कोई प्रभु को कदापि न देखेगा। |
| 6 | फिलिप्पियों 2:3 | विरोध या झूटी बढ़ाई के लिए कुछ न करो, पर दीनता से एक दुसरे को अपने से अच्छा समझो। |
| 7 | नीतिवचन 22:2 | धनि और निर्धन दोनों एक दसरे से मिलते है; यहोवा उन दोनों का करता है। |
| 8 | भजन संहिता 67:4 | राज्य राज्य के लोग आनन्द करें, और जयजयकार करें, क्यूंकि तू देश देश के लोगों का न्याय धर्म से करेगा और पथ्वी के राज्य राज्य के लोगों की अगुवाई करेगा। |
| 9 | लूका 14:13-14 | परन्तु जब तू भोज करे तो कंगालों, टून्डों, लंगड़ों और अंधों को बुला। तब तू धन्य होगा, क्योंकि उनके पास तझे बदला देने को कुछ नहीं, परन्तु तझे धर्मियों के जी उठने पर इसका प्रतिफल मिलेगा। |
| 10 | गलतियों 3:26-29 | क्योंकि तमु सब उस विश्वास के द्वारा जो मसीह यीशु पर है, परमेश्वर की सन्तान हो। और तमु में से जितनों ने मसीह में बपतिस्मा लिया है उन्हों ने मसीह को पदहन शलया। है अब न कोई यहूदी रहा और न यूनानी, न कोई दास न स्वंतत्र, और न कोई नर न नारी, क्योंकि तुम सब मसीह यीशु में एक हो। और यदि तुम मसीह के हो तो अब्राहम के वंश और प्रतिज्ञा के अनुसार वारिस भी हो। |

हिंदी में बी.एस.आई. बाईबल का उपयोग करें

**सामान्य सूचना में लिखी जानकारी को अवश्य पढ़ें (Please read the General Information page)**

## वाग्मिता / निबंध लेखन प्रतियोगिता (Elocution/Essay Writing Competition)

13 - 16 वर्ष के समूह के प्रतियोगी यह तय करें की वह चर्चा वाग्मिता (Elocution) या लघु निबंध (Short Essay Writing) में भाग लेंगे।

नीचे दिए गए बाईबल के तीन खण्डों में से किसी एक खंड के ऊपर, भारतवर्ष के वर्तमान सामाजिक मुद्दों पर चर्चा करना या लघु निबंध लिखना होगा। प्रतेक प्रतियोगी को बाईबल के खंड और दिए गए विषय के साथ सम्भन्ध स्थापित करना होगा।

प्रतियोगीता से ठीक आधे घंटे पहले प्रतियोगी को विषय का खंड दिया जायेगा।

तैयारी के लिए बाईबल के तीन खंड इस प्रकार है:

1. मत्ती 6: 25 - 34
2. यूहन्ना 8: 2 - 11
3. इफिसियों 2: 11 - 22

.....

लघु निबंध लिखने वालों को केवल 500 शब्दों में, दिए गए A4 पेपर पर, 40 मिनट के अंतराल में अपने लेखन को लिखना होगा।

चर्चा करने वालों को अपने विचारों को कहने के लिए 4 मिनट का समय दिया जायेगा।

मूल्यांकन करनेवाले 2-3 जज होंगे जो आपके चर्चा /लेखन इस मानदंड पर करेंगे।

| **क्रमांक** | **मानदंड** | **अंक** |
|---|---|---|
| 1. | रचनात्मकता (Creativity) | 40% |
| 2. | संरचना (Structure) | 20% |
| 3. | विषय से अनुपालन (Adherence to Topic) | 20% |
| 4. | व्याकरण (Grammar) | 10% |
| 5. | लम्बाई (Length) | 10% |
| | **कुल (Total)** | **100%** |

(समझने के लिए अगले पृष्ट में एक नमूना दिया गया है)

**बाईबल का खंड: लुका 19 : 1-10**

**सामाजिक मद्दे का विषय : भ्रष्टाचार और परिवर्तन (Corruption and Transformation) (500 शब्द)**

ज़कई जैसे लोगों ने चुंगी लेने वाले मुख्य अधिकारी की नौकरी प्राप्त करने के लिए सरकार को मोटी रकम दी होगी। ऐसी नौकरियां नीलामी में अधिक से अधिक बोली लगाने वालों को दी जाती, क्यूंकि ये चुंगी के अधिकारीयों की ज़िम्मेदारी होती थी की वह लोगों से प्रापत किये हुए कर की रकम सरकारी खाते में एक कोटा के अनुसार जमा करे।

कोटे के आलावा प्रापत हुई रकम मुख्य अधिकारी स्वयं अपने पास रख सकता था। इस के कारण समाज में एक घूसखोरी का ज़रया बन गया। जिनके पास साधन होते थे वह अपने कर या चुंगी को अधिकारीयों को रिश्वत देकर अनुचित मूल्याङ्कन करवाके अपने अनसारु करों के अनुकूल बना देते थे और जो कोई रिश्वत देने की स्तिथि में नहीं होता वह चुंगी के अधिकारीयों के अन्य्याय पूर्ण मूल्याङ्कन के पात्र बन जाते थे।

एक भारतीय नागरिक होने के नाते यह स्तिथि नई नहीं है। हमें भ्रष्टता अपने चारो ओर दिखाई देती है। यद्पि हमारे देश में 50% गरीब लोग है, परन्तु घोटाले के केस तो सिर्फ हिमशैल का एक छोटा सा हिस्सा है, इसमें करोडो रूपये गलत हाथों तक पहुँच जाते है। गरीब अपनी ज़रूरतों के लिए दिन रात कष्ट उठाता है। जिन साधनों से भारत देश का सुन्दर निर्माण हो सकता है वह साधन हमारे देश को अमीर गरीब के टुकड़ों में बाँट रहा है।

सरकारी व गैर सरकारी भ्रष्ट अधिकारीयों को सख्त कानूनी सज़ा होनी चाहिए। सख्त से सख्त कानूनी सज़ा ही इस प्रकार के अपराध और आरोपियों की रोक थाम में सहायक होगा। भरत देश को इस घूसखोरी के प्रतिबिम्ब को अपने ऊपर ताने हुए नहीं रखना चाहिए। यह प्रतिबिम्ब हर उस भारतीय नागरिक के लिए शर्मनाक साबित होता है जो इमानदारी का जीवन व्यतीत करना चाहता है। भ्रष्ट अधिकारी असल में राष्ट्रविरोधी होते है जिन्हे उजाले में लाना ज़रूरी है।

लेकिन क्या कड़ी सज़ा या रोक ही इस प्रकार के गैर सामाजिक प्रणाली को मिटा सकता है? भ्रष्टता के खिलाफ कड़े कदम उठाते हुए क्या विचार करा जा सकता है की भ्रष्ट अधिकारीयों में परिवर्तन का अशभप्राय है? क्या भ्रष्ट अधिकारी बदल सकते हैं? क्या मेरा जीवन इनपर परिवर्तन का प्रभाव डाल सकता है?

बदलाव जब आता है जब बदलाव की अत्यंत आवश्यकता हो। इनकी आवश्यकता क्या है? क्या इन भ्रष्ट अधिकारीयों के पास कुछ आवश्यकताएं भी होती हैं?

यीशु मसीह इसी प्रकार के 'भ्रष्ट अधिकारीयों' के दोस्त माने जाते थे..... (330/500 शब्दों में लेख लिखे। अपनी कल्पना के अनुसार लेख को पूरा करें।)

**(यह लेख केवल एक नमूना है)**